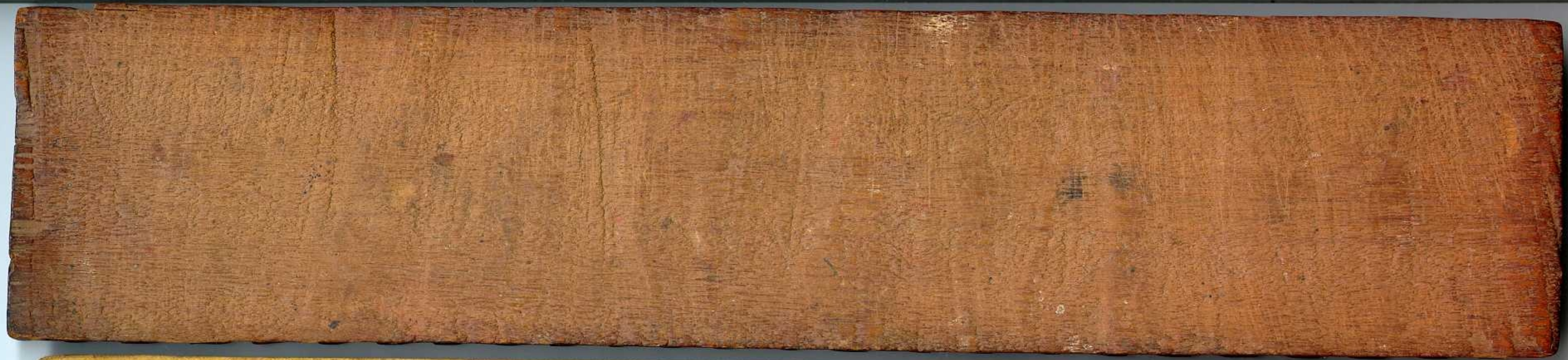






धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार DH 38

[illegible]

नाशमि शमिनि स्वाहा॥ शमन्तु मम सर्वं सत्त्वा नाके सर्वं गुरु सर्वं रुया यडवा विनूट कस्य महा नाजस्य नाम्ना वलने श्व
र्याधियत्यनव स्वाहा॥ स्वाद्यथ दं॥ कगमाक कमली। क कस्य क कगला। क गुमाक क काक क माकला। अगला। मगला। स
मंगला। क रुमा। रुमा। अलका। कलमका। कलला॥ नाति नाधि नाज नृगवति स्वाहा॥ स्वस्व मु मम सर्वं सत्त्वा नाके विनूया न
कस्य महा नाजस्य नाम्ना वलने श्वर्याधियत्यनव स्वाहा॥ स्वाद्यथ दं॥ अ संला। संगवतावल वन वलनि द्योषा। शुभ। मू न वे न
वजंगमावजवना। सु म्हा। उ म्हा। दृष्टा नावि नऊ। विद्य साव नागया का। अ नला। ध मायू का। दिसि विद्यु म्हा स्वाहा॥ स्वस्व मु
मम सर्वं सत्त्वा नाके रुथागरु स्य नाम्ना वलने श्वर्याधियत्यनव स्वाहा॥ स्वाद्यथ दं॥ ख ऊ २ ख ऊ ग रे वि व ऊ ला व क ना

जनचंदचयलरीमयवताखनालकडिलकनालकात्रिवर्गवतिमानजवतिविठकाति॥सस्समुममसर्वसत्त्वानाके
 उरुनस्यादिसिखाहा॥वक्कावाथथगकश्चलाकयालामहश्चनः॥यक्रसनायनयःसर्वहानीगीवसयुगिकाः॥दंयष्यः
 केगच्चकेयुतिगृह्णुममाहतिमावीर्यनगजसातवासेध्वर्यनवलनवा॥निहताःसर्वलाकाश्चसस्समुममसर्वसत्त्वा
 नाकेसर्वरुथायडवायसगयःसाहा॥नमस्तयूनववीननमस्तयूनधारुमः॥नमस्यामाऊलिकनाधमनाजनमासु
 त॥स्याथथदं॥धननिधननियुधंसनिरुऊनियरुऊनियविधमनिकिंम्यूनवसकनसानथसानवतिगूलवल
 गूलधालिलिहृद्वनलाद्यावतिसानालागानि॥सस्समुममसर्वसत्त्वानाकेयैर्वस्यादिनिखाहा॥वक्कावाथथगकः

२

लाकयालामहश्चनः॥यक्रसनायनयःसर्वहानीगीवसयुगिका॥दंयष्यकेगच्चकेयुतिगृह्णुममाहः
 ति।वीर्यनगजसातवासेध्वर्यनवलनवा॥निहतासर्वनागाश्चसस्समुममसर्वसत्त्वानाकेसर्वरुथायडवायस
 गयःसाहा॥नमस्तयूनववीननमस्तयूनधारुमानमस्यामाऊलिकनाधमनाजनमासुत॥स्याथथदं॥गानि
 सानवतिकान्तिकानवतिकिकसिकिनिहिकिमिहिवननिवद्धनिरुमिधानिनिविरुमिधानीनिहिसवतिज्ञा
 तिधननिमालागिसस्समुममसर्वसत्त्वानाकेदक्षिणस्यादिनिखाहा॥वक्कावाथथगकश्चलाकयालामहश्चनः॥यक्र
 सनायनयःसर्वहानीगीवसयुगिका॥दंयष्यकेगच्चकेयुतिगृह्णुममाहति।वीर्यनगजसातवासेध्वर्यनवलन

च निरुगाः सर्वे लागे श्वस्वस्व मुमम सर्वे सत्त्वाना के सर्वे रुथा यड वाय सग ल्यः सा हा ॥ नमस्तु यत्र वी न नमस्तु यत्र वा
 रुमः नमस्तु मां जलिक ना धर्म ना जन मा मुता ॥ स्या यथ दं ॥ धर्मि व ना ग व ल व गि व लि नि वि सो ज्ज वि व सि सा ग न श्व लि कः
 यि ल त्र लु लि ति नि लि वि ना जन वि धा नि लि व र्ण वे ति अ च ला ॥ स्वस्व मुम म सर्व सत्त्वाना के यश्चि माया चि शि सा हा ॥ व क्ता
 वा य थ म क श्व ला क या ला म रु श्व नः य क्क स ना य त यः स वे हा नी नी च स य पि का ॥ दं य य के ग च्च के य ति गृ क्क रु म
 मा क्क ति ॥ वी ये व न ज सा त या मे श्व ये व ल न च नि रु गाः सर्वे लागे श्वस्वस्व मुमम सर्वे सत्त्वाना के सर्वे रुथा यड वाय स
 ग ल्यः सा हा ॥ नमस्तु यत्र वी न नमस्तु यत्र वा रुमान नमस्तु मां जलिक ना धर्म ना जन मा मुता ॥ स्या यथ दं ॥ व क्ता व क्ता

३

यत्र क्क श्व ना व ज य ज धा व ज ध न स्मि न सा न अ च ल ज न ल ॥ व ल अ न ति द न ति ज न व ना ग या क सा न व त स्व स्व मुमः
 म सर्वे सत्त्वाना के सर्वे रुथा यड वाय सग ल्यः सा हा ॥ व क्ता वा य थ क श्व ला क या ला म रु श्व नः य क्क स ना य त यः स वे हा नी नी च स य
 पि का ॥ दं य य के ग च्च के य ति गृ क्क रु म मा क्क ति वी ये व न ज सा त या मे श्व ये व ल न च नि रु गाः सर्वे लागे श्वस्वस्व मुमम सर्वे सत्त्वाना के सर्वे रुथा यड वाय स
 ग ल्यः सा हा ॥ नमस्तु यत्र वी न नमस्तु यत्र वा रुमान नमस्तु मां जलिक ना धर्म ना जन मा मुता ॥ वा ग जाः यि त जाः ना गाः स नि या क जाः नि रु गाः सर्वे लागे श्वस्वस्व मुमम सर्वे सत्त्वाना के सर्वे रुथा यड वाय स
 ग ल्यः सा हा ॥ स्या यथ दं ॥ अ च ल म च ल सा न म च ल य क्क ति व र्ण य क्क ति नि धो व स म क म्ब स्मि न स्म व न वि

धृष्ट शृष्ट युगलनया नङ्गमि सा नङ्गम सा नङ्गव नवलम हावल महानिरा सखा हा ॥ सायथ दं ॥ सालक सिन
विधन नीविधन नीय नाग सा न आ क र्षे नि अ मा घ व नि स व न कालि न काली का शिव न रु न ल क न क सं ख स
मन्त्र या फ सा न या फ सु सु या फ व ऊ ध न सा हा ॥ ॐ म सिल क य नि म सि वा य न ॥ ४ ॥ खर्षे य व न ल व न नि स नि । स मा
नि ने व रु न थ ग न न दे वा नि द व न न न आ रु म न ॥ ग सा दि दं न ल व नं य नी गं म न न स ख न ॥ ४ ॥ हा मु ख सि ॥ ३ ॥ या वि ना
ला ह मृ गं तु सं सु गं आ हा य सो आ वृ म् नि ॥ ४ ॥ य रु वि न श ध म् ल ग न न स मा लि क श्वि द मृ न न म् न न न स सु ग न ना ग
सा दि दं न ल व नं य नी गं म न न स ग न ॥ ४ ॥ हा मु ख सि ॥ ४ ॥ अ म् मि षं वि धि व ल्य का शि गं आ म् सा स दा नू ल न या ग वा रु कां

४

समाधिना न न स मा न वि ध न व आ य म ना द्र य मा र्ग द क्षि ना ॥ ग सा दि दं न ल व नं य नी गं म न न स ख न ॥ ४ ॥ हा मु ख सि ॥ ४ ॥
अ शो म हा य ऊ ल य य ग सा ॥ ४ ॥ गा नि य त्वा नि य ग्मा नि ये वा न द क्रि नी या ॥ ४ ॥ ग ग न न गी गा म रु वि ला द्र य नि य ऊ ल न ॥ ३ ॥
४ ॥ य दा नं रु व न म हा रु लं वी जा नि न्य म्मा नि य था सु कृ त् ॥ ४ ॥ दं य नी गं व न सं ध न ल म न न स ख न ॥ ४ ॥ हा मु ख सि ॥ ४ ॥ य
यू य स न्ना म न न सा इ न उ य सं क मी लो ग म ग्मा स नं हि ॥ ग या फि या का अ म् गं वि ग्मा ह्म र्मा नू द नि वृ ति मा य व क्रि ॥ ३ ॥
४ ॥ दं य नी गं व न सं ध न ल म न न स ख न ॥ ४ ॥ हा मु ख सि ॥ ४ ॥ स रु य था ग्मा दि रु द र्शन स्या त् य ४ ॥ य हो ला यू ग य कि ले आ श स
का य इ श्वि वि वि कि ल ना व शी ल व नं द र्शन मा र्ग का व ॥ ४ ॥ दं य नी गं व न सं ध न ल म न न स ग न ॥ ४ ॥ हा मु ख सि ॥ ४ ॥ न ज

कु क यो वि वि धं द्रिया यं काय न वा वा मन सा थ वा यि। य दू द नो यं स रु सा न कृ त्वा त था व दृ ष्टि र्ग रू ल न ग यं ॥ ॐ द म्य
ली गं व न सं घ न ल म न न स न न ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ य थ दू को ल ४ य धि वी य नि धि र्ग ॥ ॐ द म्य ली गं व न सं घ न ल म न न स न न ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ य थ
य मा ४ य दू ल स त्ति स ध य आ र्य मा र्ग स व न स द शि न ॥ ॐ द म्य ली गं व न सं घ न ल म न न स न न ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ य थ
य स य नि वि र्ग व य त्ति ग म् न य दू न स द शि न नि का य ४ य दान क म न स कृ त्वा न त र यं क दू म वा य व त्ति ॥ ॐ द म्य
ली गं व न सं घ न ल म न न स न न ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ अ र्धि य था वा य व श द्दि न स्या अ स्या द्दि नाने व उ ये ति सं ग्रा न ये व स
व सं था ऊ न वि य यू का अ द र्श नं या त्ति दि व दू य ग ॥ ॐ द म्य ली गं व न सं घ न ल म न न स न न ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ ॥ य

ऊ ऊ मा आ उ ग ये व स व ना स स र्व स त्वा स वि ना र व कु। आ सा न म ग्गं न न द व य र्धं व दू न म स्या ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ य ऊ ऊ
मा आ उ ग ये व स व ना स स र्व स त्वा स वि ना र व कु। आ न वि ना ग न न द व य र्धं व र्म न म स्या ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ य ऊ ऊ
मा आ उ ग ये व स य ना स स र्व स त्वा स वि ना र व कु। ग म् म ग्गं न न द व य र्धं स द न म स्या ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ ॥ या
नो रू रू गानि स मा ग गानि सि गानि रू मा व थ वा न नो क्ता क र्व कु मे गी स न न य ऊ स दि वा व ना गो व व न कु ध र्म ॥ य ने व
स य न जि ना जि ना त्रि ४ स स य वा दी नि यू ग स्या ना सि। ने व स य न ॥ ॐ ह म् सु ख सि ॥ म य नु स र्व य म ह र य स्या हा ॥ ॐ
य थ दं ॥ धि न धि धि न व ल नि धा वा व ल सा न सा न व न मु न य रू न या क आ न व आ न धा वा सा न व नि अ व न व ल व न

गङ्गासागरं वगाउ कर्मद्विष्टु। रिनरिवर्जं नलानि वद्वि निव्वन दाहकः वागननभाषितामघा। रासुनलवनस्यगी
॥ नगनसय वाक्चन कावादे कर्मदहगां। नानागर्वे सुथायुषे निद्वगाः सर्वयायकाः सायाथद॥ दूमरुकरनिवः
नलि। इद्वि निजवल गनग रुनिमि। आवनि। शान्ति यशान्ति साहा॥ आवनि साहा॥ यथावनि साहा॥ गोत्रवे साहा॥ यः
लिङ्गनि साहा॥ सर्वकार्वादे कृतवगाउ बुद नि साहा॥ मम मनु यदेः मम सर्ववानायेः सर्व कार्वादे वगाउ यधिमनु
विषययागाः सर्वदवहृदिगा रुदिगाः जिगाः यना जिगाः साहा॥ गङ्गासा सर्ववृद्धा नायत्य कजिनगे गङ्गा। गुरुग
वेवीर्यम सर्वेषां मनुष्यानिनां॥ यरूया शानि यूगस्य मोक्षत्यस्य व अद्विया। वरूया वानि नृद्वस्य काश्याय श्रुते

[illegible]

मगदवा ॐ मागाथा राधिवन मामुन वद्ध अननलाव नाया नमामुन सखयका शकामून सखयति श्यायय जायः
मावसा सर्ववका मासदला रुवकुममसर्वमला नायेः। वक्रनिर्मितमित्या रुवक्रमावयकलिय नायावत द्वादशव
र्षा मां कृमा नावादिन कनीय ॐ मामगिकमविद्यां सुगुं वक्रमा निर्मितं सकथा स्या सुदामुद्धो अऊक मेव मे ऊनी ॥ स्या
यथदं ॥ अऊ वक्र रुऊ रुवन ॐ नदिविनदिमून निगिनिगवनिगनू निस्तु निगिनिगो नलावल आवल नावनल
सने अल रु अऊ न अल रु नल रु य कयलिसा हा ॥ क्रियसति श्रगां गरुः समग्रद्वे कु ॐ द्रिया शगरु सुः सतिना लाय
मावन स्या कुकन काः ससः सतिश्रगा गरुः कालनयनिमवा कु ॥ नानान ऊ निस्तु गानि अऊ गालो न सर्वया ॥ नयाः

नक्रासमाद्या नाविनं जीवन्नु दानकाः ॥ स्या यथदं ॥ वाधिवधिमहावाधिवानुमनरुलिनिवरु रुल निऊ निऊ सा
नवन सागलदू नासददू नागमशू नयथ शू नवन ॥ रुगरु गा रुगरु गिनि निवानिलिसा हा ॥ नमारु गवन वद्धाय नमा
वक्रानसिधनु मनुयदा सा नयनु ॐ माविद्या वक्रानुमननु सा हा ॥ स्या यथदं ॥ अऊ कम विक्रम रुनद्या यरुन ऊ मद्रु
निधनवन २ दधिन निधु मरु मरु खरु खरु ॥ ४ ॥ सागन ऊ मवउ वयल रुलिम रुलि रुनि निमिसा हा ॥ स्वस्य मम
सर्वसत्त्वानाये सर्वदिग्निदिग्मः सा हा ॥ निरुगा सर्वया यानिसा हा ॥ वाक्राने वियल रुन ॥ अ सिंदु स्या नायिन शसविवं
गिनिगुयन लाऊ नं उयना मितां ॥ यतिगृऊ नरु ॥ सा निधि वा कृ स्या लाऊ नां नवन सख वाधुन अमून लाकु लाऊनं

[illegible][illegible]

या न नया य नि क ल क यि ल मि ल ष्ण लि मि ल न मा रु ग व न व द्वा य सि धु कु म नु य दा म म स र्व स त्वा ना के खा हा ॥ य धे मा
 म वि द्या क शि द गि क मि धा नि स य धा स्या स ह म द्वा आ र्ज क सो व म उ ने ष्म य ग म नु य दा नि म न सि क ल ग्वा नि ॥ न य
 था ॥ ष्ण लि मि लि कि लि मि लि कि दु स्य म क म म क आ उ ना उ स ना उ व र्ध नु द व ष य न मा उ क व र्था या आ ना या ना ल म दा दि १४
 का ष्ण लि मि लि रि डि लि का उ द्का २ का द्दु का के व द्का क व द्का का द्दु का का द्दु का ष्ण लि मि लि ति लि मि लि स म न
 नः कृ त्वा ॥ ह ल २ रि लि २ मि लि २ यि लि २ कि लि २ शी र्ष ण व र्ध व ल २ व न २ यि लि २ व ल २ वि टि २ जि वि जि वि डिः
 वि जि वि ॥ ४ ॥ ष्ण टि वि टि ॥ वि वि वि वि ॥ ४ ॥ रु ॥ १० ॥ रु न रु न रु न

ल उ म्भ य उ ष स र्व द्भ य द्भ नां उ म्भ मि यु उ म्भ मि ॥ स्वा न रि ओ ष स र्व स त्वा ना के न क्रा के अ मि शु फि य नि ग मं य
 नि ग रं य नि यान नं शा नि स स्त य नं द लु य नि हा न श म्भ य नि हा न वि ष द्भ नां वि ष ना श नं सो मा व द्भ न मी व च्च व
 क ना मि जी व नु व र्ध ग न य शा नु श न दां श नं ॥ न य था ॥ वि ग म ल वि ग वि ग मा ज रु ल रु ल माल रु ल रु ल माल रु नु २
 स न व नु ल वी ने ध र्म अ नु म्भ न व ल धा न ध य स न स न रु नं वि र्ध नि रु नं वि र्ध स र्व द्भ य द्भ नां उ मा वि र्ध म ल वि र्ध
 अ न वि र्ध स र्व व द्वा नां ग उ न ॥ स न स न क व न क व न क वि दि वि दि दि नि दि नि रु नं वि र्ध नि रु नं वि र्ध ना ति वि र्ध
 स फा नां स म्भ व द्वा नां स श व क सं धा नां ग उ न ॥ ल म ल ष्ण लि म ल ति लि म ल ति रु रु रु ति लि मा ति मा द्मा वि मा

कुवये शनं य शानु सनदा शनं ॥ न यथा ॥ हनन नवन नमल मिलमूल मद किमलमलुकि क ॥ हल हल हल हल हल हल
 ल हल हल हल हल हल ॥ १० ॥ लल लल ॥ ४ ॥ मठिमठिमठिमठि ॥ ४ ॥ सिद्धिमिद्धिमिद्धिमिद्धि ॥ ४ ॥ स्वस्मि स्वस्मि स्वस्मि
 स्मि ॥ ४ ॥ मम सर्वत्वाना के साहा ॥ ५ ॥ न यथा ॥ हिलि २ मिलि २ ग ३ २ व ग ३ ॥ व के २ हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि
 लि हिलि हिलि हिलि हिलि ॥ १० ॥ मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि ॥ १० ॥ हन हन हन
 हन हन हन हन हन हन ॥ १० ॥ विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि ॥ १० ॥ हि के हि
 के हि के हि के ॥ ४ ॥ मि के २ ग ३ व ग ३ ॥ व के २ हन २ व न २ हन २ व ल २ व ल २ साहा ॥ नमः सर्ववृद्धानां साहा

रुडा य साहा ॥ महा समन रुडा य साहा ॥ समया य साहा ॥ महा समया य साहा ॥ यगि सत्राय साहा ॥ महा यगि सत्राय सा
 हा ॥ श्री गव नाय साहा ॥ दधुध नाय साहा ॥ महा दधुध नाय साहा ॥ मयिलि दाय साहा ॥ महा मयिलि दाय साहा ॥ जय की
 य साहा ॥ शक्ती य साहा ॥ अवा कृ नाय साहा ॥ अश्व की जय साहा ॥ अय नाजि नाय साहा ॥ सूव क्त व रा साय मयून नाजाय
 साहा ॥ महा धानि नीय साहा ॥ मकु य दाना साहा ॥ महा मायये विशा नाह साहा ॥ मयून काना य साहा ॥ स्वस्मि रुवकु मम स
 र्व सत्वाना के स्वस्मि नागे स्वस्मि दिवा स्वस्मि मध्वा दिने स्मि न स्वस्मि सर्व महा नार्ग सर्व वृद्वादि शानु म ॥ नमामु वृद्वाय नमामु
 वाधय नमामु म्काय नमामु म्कयान नमामु शाना य नमामु शाना यान नमामु विमूकाय नमामु विमूकय ॥ यवा क्त वा

[illegible][illegible]

यथा॥ अ० उ० क० त० म० द० म० द० व० र्द्ध० न० अ० व० न० श० व० न० गु० न० श० व० न० य० र्द्ध० श० व० न० रु० वि० श० क० वि० श० म० वि० श० सा० हा॥ ग० य० थ० ॥
 ष्ढ० मि० दू० र्द्ध० न० वि० र्द्ध० न० हि० लि० श० मि० लि० श० क० तु० मू० ल० अ० म० ल० अ० म० ना० व० मि० द० शि० श० व० न० द० म० दा० द० म० ॥ हि० लि० श० क० वि० श० म० वि० सा० हा॥ ग०
 य० थ० ॥ मा० नि० श० क० व० दि० म० लि० गि० का० रु० न० श० द० न० श० र्द्ध० न० श० र्द्ध० न० द० ना० नि० नि० द० न० द० नि० द० नि० ल० श० क० टि० म० क० टि० न० उ० न० डि० नि० शि० नि० शि०
 नि० शि० नि० शि० नि० शि० नि० शि० नि० ॥ ७ ॥ सा० हा॥ ग० य० थ० ॥ हि० डि० मि० डि० क० डि० मू० डि० तु० डि० मू० डि० मू० डि० ग० डि० तु० डि० आ० उ० द० न० द० नि० ल० श०
 क० लि० य० क० नि० थ० ग० नि० ग० नि० का० व० न० का० के० ना० व० नि० व० न० व० न० व० न० ॥ ४ ॥ द० न० सि० दि० सा० हा॥ ग० य० थ० ॥ ग० रु० ल० ग० ल० श० ग० ल० ग०
 ल० ग० ल० ग० ल० व० ल० वी० न० वि० ज० य० व० ज० य० न० अ० न० अ० वि० न० अ० वि० न० आ० म० सि० मि० मि० मा० ल० म० मि० मा० लि० नि० मू० लु० शि० नि० मू० लु० क० ल० क० ल० क०

२०

ल० क० ल० ॥ ४ ॥ रु० उ० व० मि० सि० दि० सा० हा॥ ग० य० थ० ॥ अ० लु० ल० य० लु० न० क० लु० न० म० लु० न० र० लु० न० ॥ अ० मू० श० न० दि० ज० मू० व० मि० ॥ म० रु० म० लि० गि० क० अ० म० न० सि०
 दि० रु० न० रु० न० रु० है० रु० न० ॥ ४ ॥ य० शु० य० शु० य० शु० य० शु० ॥ ४ ॥ य० शु० य० मि० सि० दि० सा० हा॥ ग० य० थ० ॥ हि० लि० मि० लि० कि० लि० मि० लि० ष्ढ० लि० ल० क० ग० ल० क० रु० व०
 ल० अ० उ० म० लि० उ० य० उ० उ० य० अ० न० हि० उ० य० उ० उ० य० न० न० य० उ० क० न० य० श० व० स० न० क० व० स० टा० न० न० क० द० का० मि० नि० का० म० न० यि० मि० कि० मि० नि० वा० व०
 लि० क० क० व० द० न० क० ग० न० ल० श० व० मि० वा० स० न० दू० ग० न० गु० न० दू० र्द्ध० न० ल० हा० र्द्ध० न० ल० न० न० न० व० न० मि० य० क० द० मू० मि० लि० ग० ल० ष्ढ० मि० हा० म० अ० व० ल० तु०
 व० ल० व० लि० क० व० दि० श० क० मू० ल० ल० व० दू० व० दू० वा० व० अ० उ० तु० व० व० य० नु० द० व० श० ग० क० ल० ४ ॥ स० म० न० न० य० थ० स० र्द्ध० द० श० स० दि० श० स० न० मा० रु०
 ग० य० ग० ४ ॥ क० मू० दा० द० क० रु० व० नु० न० मा० रु० ग० व० न० ष्ढ० नि० ज० य० ष्ढ० दि० य० य० दा० हि० का० य० रु० क० नि० का० य० अ० न० वि० म० न० वि० अ० न० ज० य०

ननजिनदूवजनदूवजनदूउदयनयिया॥अलनालकुनालकुननालनानायमियात्रायमियश्रयश्रानिस्त्रार्श
निसिश्चकुमडामिजामकुयदाःसाहा॥संयथीदंमयाशाकुमनिनामसंम्यकंवद्वनराषिगावात्यनमादिगावजान
दनरिक्कुनास्त्रस्यनंकुममर्वसर्वसत्वा नाकेनक्रांकुनारुवेकुमुक्तिःयत्रिगोर्षयत्रिग्रहःयत्रियालनशक्ति
ःसस्त्रयर्षंदमुयत्रिहानंःशमुयत्रिहानंविषद्वयर्षंविषनाशनंशीमावच्चंधनेवीवच्चक्षेकुनारुवेकुजीव
कुवयेशगंयश्रकुसनदांशगं॥गयथा॥मिनि२मिनिरुडशक्ति२शक्तिरुड॥हन२हनहानिमिदकिशवन
जिवशूलयामि॥वाधिवधिवधिवधिवधि॥४॥सत्त्ववाधियत्रिवात्रिणीयसाहा॥गयथा॥हिलि२मिलि२मालिनि

चं क नि कि नि कि नि कि नि कि नि ॥ ५ ॥ कि नि य व द्म य न ल क न लु क वि अ रु य स ध न २ रु न २ रु न २ रु न २ रु न २ रु न २ रु न ॥ ५ ॥ रु गं वि षं नि रु गं वि षं ॥ व द्म न आ रु गं वि षं ॥ य स क व द्म न आ रु गं वि षं ॥ अ रु रु आ रु गं वि षं ॥ अ न ग मि न आ रु गं वि षं ॥ स क द ग मि न आ रु गं वि षं ॥ मा ना य न न आ रु गं वि षं ॥ स र वा दि न आ रु गं वि षं ॥ व द्म द लु न आ रु गं वि षं ॥ २ उ व ज न आ रु गं वि षं ॥ वि स्र व क न आ रु गं वि षं ॥ अ ग्नि दा दा रु रु गं वि षं ॥ व न ल या श रु गं वि षं ॥ अ स न मा य रु गं वि षं ॥ ना ग वि षा रु गं वि षं ॥ न उ धू ल रु गं वि षं ॥ रु द श कि रु गं वि षं ॥ म हा मा य र्था वि षा ना रु गं वि षं ॥ नि रु गं वि षं ॥ नि ऊ न वि षं ॥ रु मां सं का म नु वि षं ॥ स रि रु व नु म म स व स वा ना के स व वि षा नु व ल ना रु वि षा नु ॥ हा ला रु ल

विद्यान् कालकूठविद्यान् दुर्गाविद्यान् मूलविद्यान् यक्षविद्यान् दृष्टिविद्यान् विद्युद्विद्यान् मद्यसंकः विद्यान् ॥ सूर्यम
धिककौटालनकक्षरुमन्त्रकमक्रिकोणमनवनटिनैवकणेलोठकविद्यान् मनूष्यविद्यान् अमनूष्यविद्यान् वृद्धिः
कविद्यान् गनविद्यान् कुंकाविद्यान् ओषधीविद्यान् विशाविद्यान् सस्मि सर्वविषयः स्वागरि ओमम सर्वसत्त्वा नोयै स्वाः
हा ॥ तथथा ॥ ऊला ऊनुं लमाला ऊनुं ल। वायटि ऊनुं लामथनिघो ननिगुसनिह निमिनिशुमिमिनिग नूग नूक्षवमि
॥ हा हा हा हा हा ॥ ॐ ॥ सिंहधिमिविधिमि ऊनू ऊनू वसना गुठ गुठ सि। वट वट सि ॥ मिलि रेकयिल रेकयिल मूल
हा ही हूं सर्वदृष्टयदृष्टदृष्टानां ऊमूनं कनामि। रुसया दा ऊयय ऊनिग हंकनामि। सरुगिदलारुद वरुिउधिमि

[illegible]

[illegible]

ने आग्रयणियः श्रयणियः श्रयणियः अत्र अत्र न दान न न दान दान उ अ अ अ अ ल म ल र ल गृ ह न वि ना द नु ना
निकि वि का कि नि कि नि का कं वा स न नु ना वि यू नि न कु लि कि नि यि न न झ नि ष्ण अ वृ म नि उं वृ म नि म धृ म नि क म ल वि म
ल अ धु ल अ रि गु रि दू रि व के व के दू न व स ना रु म हा ग न नु नं व दू लं व स लं व सा हा ॥ न य न या म हा मा यू या वि धा ना
लु स्या न रि अ म म स व म त्वा ना ये न कां ऊ व नु ऊ व नु व ष ष गं य षा नु स न दं ष गं ॥ न य था ॥ या व नि धा व नि कु नू नू
म सा हा ॥ ना ल म द्व ष ष मा रु श्र न न ला क गु या वि षा ष नि वि षा रु ग वा न् व द्वा व द्वा स ह्य रु गं वि षं ॥ ना ल म द्व ष ष मा रु श्र न
न ला क गु या वि षा ष नि वि षा रु ग वा न् ध र्मा ध र्मा स ह्य रु गं वि षं ॥ ना ल म द्व ष ष मा रु श्र न न ला क गु या वि षा ष नि वि षा रु गः

वान् संघसंघसखहं विषं ॥ यद्वलसर्ववृद्धानां अहंतां वेवतजसां गथागनसागजनममसर्वसत्त्वानां केवृत्तसस्त्रायन
 मयो ॥ ॐ ॥ आर्यमहामायत्रीविद्यानां श्रीविनयाय कृमरवां लिलिङ्गा समाया ॥ ॐ ॥ १० नमो रगव हो आर्य
 महासीत वयो ॥ ॥ गद्यथा ॥ अज्ञा वज्ञा कलिज्ञा एज्ञा वनज्ञा संज्ञा नगनज्ञा सासदज्ञा एगा अज्ञा नृकननज्ञा
 अज्ञानवी नागनवी नागनश्वी नाकनवी नाकनश्वी ना ॐ डा ॐ ड किस ना ॐ सा ॐ स किस ना ॐ यिविमला महाकिवावि
 हठिका काल्पिका अज्ञा दनाजयालिका बलात्रलाविलालि विलि १ हिलि १ समति वसमति वलून दूवलून १ न दूवलून १ व
 वमदूवलून नाति कुनाति हानी दूकि हानी दूकि कानी दूकि कानी दूकि वनी दूकि वनी गकि किलो नी गद्या निव लुलि व

२४

कालिमागजिर्वसिधनलीधनलीरुनसिमा नमिा डमालिक कव कायिक कव कायिका यल नाठिक का कलिकल लममि
 लक्रमति वगारु कुल मलयन डल्यन कनवी न कनश्वी नागनवी नगनश्वी न कुनवी न कुनश्वी न वूनवी न वूनश्वी न महा
 वी न ॐ नमति वनमति नक्रमति सर्वो यसाधनियनमार्थसाधनि अयुगिरुत ॥ ॐ डा नाजा यमा नाजा वनूना नाजा कुवना ना
 जा मनसी नाजा वासुकी नाजा दलुगि नाजा धुन नाजा नाजा विनूड को नाजा विनूया आ नाजा वप्ता सहसाधियमी नाजा वृद्धा
 रगवान् धर्मस्वामी नाजा ॥ अनूरु नासा कानू कंय काममसर्वसत्त्वानां केन आ कुव कुगुफिं यनिगं यं निगं हं यनिया लनं ॥ अकि
 सस्त्रायनं दलुयनिहानं गसुयनिहानं विषदूषं विषसासनं सीमावद्वधनली वच्च के कुव कुजी वकुव वं गं यं अकुसन

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

महादानुत्तरयथः सर्वगुसमकनदिगावंद्वेनवजयाकानवचेनवजयाभवचेनवजयालाविशुद्धातुनि २८ गवगिम
रुसंगाधनि कुक्रिसंयूनमिहल २ वल २ कलनि २ वर्यं कुदवः समकनदिगादकन २ मृगववमिदवमावमानमि
अरिषि येनुमांसगगववनवयनामृगवनवयषन २ २ २ गवगिमांसर्वगुसर्वदासर्वरुयथः सर्वोयडवथः सर्वोयस
गुथः सर्वोयधित्यः सर्वदुष्टरुयरीगथः सर्वकलिकलरुविवाददूः सयुदुनिमिहामङ्गलयायविहाधनि। सर्वयक्र
नाक्रसनागविदानिमिावन २ वलवगिजय २ विजय २ जयं कुसर्वगुसर्वकालंसिधुनुमं २ यं मरुविद्यासाधयमगुल
द्यागयविद्यानाजय २ सिद्ध २ सिधु २ वृद्ध २ यूनय २ यूनमि २ यूनयम २ आसांसर्वविद्याङ्गमरुलाजयालुलिङ्गयकजिङ्ग

२१

यवगिगिष्ट २ २ गवगिसमयमनूयालयसर्वगथागनदुदयशुद्धवावलाकयमांसयत्रिवाजं सर्वसत्वाध्याममहादानुत्तर
रुयषु सर्वोसांसयत्रियूनय २ गयसुमरुयथः सन २ यसन २ सर्वोवनमविहाधनिसमनाकानमगुलविशुद्धाविगत २
विगतमलासर्वमलविहाधनिसर्वमङ्गलविशुद्धसर्वोमङ्गलविहाधनि। क्रिमि २ सर्वयायविशुद्धमलविगत २ जयवगि।
नजावगिवजवगिनेलाआधिमिनेलाहा॥ सर्वगथागनमृद्धारिषिकखाहा॥ सर्ववृद्धवाधिसत्वारिषिकखाहा॥ सर्वगथाग
नदुदयशुद्धखाहा॥ सर्वदवगारिषिकखाहा॥ सर्वगथागनदुदयाधिमिनेदुदयखाहा॥ सर्वगथागनसमयसिद्धखाहा॥
नु २ २ वावलाकिनेखाहा॥ सर्ववृद्धवृद्धधिमिनेखाहा॥ विष्णुनमस्तुगायखाहा॥ मरुधनवद्विगतयुजिगायेखाहा॥ वजवन

वज्रयानिवलवीर्योधिष्ठिरस्तु॥ धृगनायस्तु॥ विनूतकायस्तु॥ विनूयाक्रायस्तु॥ वेष्टवनायस्तु॥ वरुर्महाना
 जनमस्कृतायस्तु॥ यमायस्तु॥ यमयुजिगनमस्कृतायस्तु॥ वनूनायस्तु॥ मानूनायस्तु॥ महानूनायस्तु॥ अग्न
 यस्तु॥ वायवेस्तु॥ नागविलाकिनायस्तु॥ देवगल्लयःस्तु॥ नागगल्लयःस्तु॥ यक्रगल्लयःस्तु॥ नाक्रसगः
 लयःस्तु॥ गन्धर्वगल्लयःस्तु॥ असुरगल्लयःस्तु॥ गनूतगल्लयःस्तु॥ किन्नरगल्लयःस्तु॥ महानगगल्ल
 यःस्तु॥ मनुष्यगल्लयःस्तु॥ अमनुष्यगल्लयःस्तु॥ सर्वगल्लयःस्तु॥ सर्वरुगल्लयःस्तु॥ सर्वयुगल्लयःस्तु॥ स
 र्वयिगावयःस्तु॥ सर्वयस्मानयःस्तु॥ सर्वक्रमाद्युयःस्तु॥ सर्वयूगनयःस्तु॥ सर्वकठयूगनयःस्तु॥ सर्वद

२८

मयद्वयःस्तु॥ उं वृन् २स्तु॥ उं कुन् २स्तु॥ उं कुन् २स्तु॥ उं वृन् २स्तु॥ उं मन् २स्तु॥ रुन २सर्वमन् २स्तु॥
 दह २सर्वद्वानस्तु॥ यव २सर्वयुयिकयुयिमिगान्स्तु॥ यममादिनेविनम्रवांसर्ववांसनीनं॥ कालय २सर्वद्व
 यिक्तानांस्तु॥ कलिनायस्तु॥ यकलिनायस्तु॥ दीयकालायस्तु॥ वज्रकालायस्तु॥ समककालायस्तु॥ माविहडा
 स्तु॥ यूर्त्तुडायस्तु॥ कालायस्तु॥ महाकालायस्तु॥ मारुगनायस्तु॥ यक्रभीनीस्तु॥ नाक्रसीनांस्तु॥ युगयि
 गावजकिनीनांस्तु॥ आकाशमारुमांस्तु॥ समुद्रगमिनीनांस्तु॥ समुद्रवाग्मिनीनांस्तु॥ नापि वनांस्तु॥ दिव
 स्वनांस्तु॥ गिरिंश्चावनांस्तु॥ वलावलांस्तु॥ अवलावलांस्तु॥ गर्हहयःस्तु॥ गर्हहयिनीयःस्तु॥

हा॥ ग रं स चानि निखा हा॥ इ ल २ खा हा॥ उं खा हा॥ सः खा हा॥ रः खा हा॥ गु वः खा हा॥ रु रु वः खा हा॥ वि टि २ खा हा॥ वि टि २ खा
 हा॥ ध न निखा हा॥ ध न निखा हा॥ अग्निः खा हा॥ ग जा वा यूः खा हा॥ वि लि २ खा हा॥ मि लि २ खा हा॥ मि लि २ खा हा॥ वृ ध्वा २ खा हा॥
 सि ध्वा २ खा हा॥ म नु ल व च्चे खा हा॥ सी मा व च्चे खा हा॥ स च्चे श कृ न रु ऊ य २ खा हा॥ ऊ म्फ य २ खा हा॥ रु म्फ य २ खा हा॥ छि न्द २ खा हा॥
 रि न्द २ खा हा॥ रु ऊ २ खा हा॥ व च्चे २ खा हा॥ मा रु य २ खा हा॥ म नि वि शु द्ध खा हा॥ सूर्य सूर्य वि शु द्ध खा हा॥ च उ च उ य र्त्त च उ खा
 हा॥ धा ध निखा हा॥ वि धा ध निखा हा॥ ग ह यः खा हा॥ न कृ ग यः खा हा॥ जि व यः खा हा॥ शक्ति यः खा हा॥ यू धि यः खा हा॥ स म्फ
 य न यः खा हा॥ जि व कृ निखा हा॥ शं क निखा हा॥ शक्ति क निखा हा॥ यू धि क निखा हा॥ व ल व द्ध निखा हा॥ व ल व द्ध न क निखा

२२

हा॥ शी क निखा हा॥ शी व द्ध निखा हा॥ शी कालि निखा हा॥ म यि खा हा॥ न म्फ यि खा हा॥ म नू यि खा हा॥ व ग व निखा हा॥ उं सर्वे न था ग
 न मूर्त्त श्रव न वि ग न रु य स म य स म रु ग व नि सर्वा या य स सि र्त्त व कु म म सर्व सत्वा ना के खा हा॥ उं मू नि २ वि मू नि २ ध नि व लि
 च ल न रु ग व नि रु य वि ग न रु य रु नि मि वा धि २ वा ध य २ वृ द्धि लि २ सर्वे न था ग न रु द य रु ध्वा खा हा॥ उं मू नि २ मू नि व न अ रि के
 नु मां सर्व सत्वां ध्रु सर्वे न था ग नाः सर्व वि द्या रि ष के म रु व ऊ क व य मू डा मू डि नेः सर्वे न था ग न रु द या धि धि न व ऊ खा हा॥ स म न
 काला मा ला वि शु द्धि हू नि गं विं ना म नि मू डा रु द या य ना जि ना म रु धा न नी॥ अ नु म नु य दाः सि द्धाः सर्वे क र्म क ना गु ला ग य थ
 ॥ उं अ नु ग व न व न व न य व न वि शु द्ध हूं हूं हूं हूं हूं खा हा॥ उं अ नु ग व नि ला कि नि ग रं स न कृ मि अ क र्ष मि हूं हूं हूं हूं २ खा हा॥

[illegible]

वज्रयामिधना॥हिलि२मिलि२किलि२विलि२हिलि२वन२वनद२सर्वगुजयलङ्घसाहा॥सर्वयायविदनिनिस्साहा॥सर्वयावि
हंनिनिस्साहा॥समूत्रनिस्साहा॥सर्वशङ्करयहननिस्साहा॥समिहवगुममसर्वसत्त्वानायेस्साहा॥आनिकनिस्साहा॥यष्टिकनि
स्साहा॥वलवद्धनिस्साहा॥उंजय२जयवगिकमलविमलसाहा॥वियूलसाहा॥सर्वगथागनमरुसाहा॥उरुनिमहा॥आनिसा
हा॥उंरुःसाहा॥उंरुवःसाहा॥उंरुःसाहा॥उंरुउवःसाहा॥उंरुनि२वज्रवगिसर्वगथागनहृदयसंयूननि॥आयूःसच्चान
निवल२वलवगिजयविद्यहूंहूंरुदरुदसाहा॥उंमनिधनिवज्रिमहायुगिसनहूंहूंरुदरुदसाहा॥नमःसर्वगथागन
सायगिष्टकिदशसूदिङ्गुंमनिवज्रहृदयवज्रमानसेन्यविदनिनिहृन२सर्वशङ्कनृनृ२ममशनीनं२सर्वसत्त्वानाये२व

उवज्वज्वज्वगरेगाक्षयकाक्षयसर्वमानरुवनानिर्द्धंष्ट्रष्ट्रष्ट्रसंरुनसम्भनसाहा॥ वृद्धमेगीमर्धतगतवज्जकल्याधि
विग्मममसर्वकर्मावनन्नायनयसाहा॥ नयसवेमदानागादवताअवयगथा॥ असूजागजूजागचवाःकिन्ननाश्चः
महानगा॥ नित्यानुवृद्धानक्रार्थ्यस्याविद्यामहाबलालिखितंध्यानययाज्ञाबाहोवधामहर्द्धिकं॥ मरुतीलरुतय
जांसयदंवायिनिल्यशब्दि॥ ० ॥ आर्यमहायुगिसनायामहाविद्यानाज्ञानक्राविधांनकल्याविद्याधनसप्त
माफ॥ ॐ ॥ २३ नमारुगवल्लेआर्यमहोमक्तान्सानिले॥ नमाविद्यानाजायः॥ नमःसमस्तवृद्धानां॥ ॐ माध्वः
माथा॥ विसन्नग्विसन्नग्विसन्नग्विसन्नग्विसन्नग॥ ज ॥ वृद्धालाकानुकंयकआज्ञाययगिसववृद्धानूमनस

धैर्यं कवुद्धानुमनसर्वादानुमनसर्वलोकांनुमनसर्वेश्वरानुमनसर्वसत्यवाक्कानुमनस्युक्तानुमन
 बुद्धानुमनसकामध्वनानुमनसश्चानुमनसदेवानुमनसजस्रानुमनससर्वसत्तानुमनसजस्रयुक्तानुमनस
 सर्वरुगानुमनसविसत्रगविसत्रगविसत्रगविसत्रगविसत्रग॥ ५ ॥ बुद्धालोकानुकम्पकआरूपययगि॥ मूर्खेनमूर्खेनमूर्खे
 नमूर्खेन॥ ४ ॥ मागिषकुर्त्तिर्व्युत्थाम्यकु॥ निगच्छन्निगच्छन्निगच्छन्॥ बुद्धःयविज्ञानिमहादेवानिदेवादेवगुनः
 सत्तुकाश्चदेवःसद्युक्ताःसद्युक्तिकाःश्रुत्वात्रश्रुत्वालाकयालाःयविज्ञानिअनकानिवदेवताशनसहस्राणिअस्र
 त्ताश्चअनकानिवअस्रसहस्राण्यविसत्तिवहूनिवरुतसहस्राणि॥ एगवताअहियसन्नानियवक्रुत्तिसर्वसत्त्वानाम

[illegible][illegible]

गमथाजिनादिनाः सर्वेषां देवता नां हि रुतानावदिनेषि मां। ज्ञाननाथा रुमनाशयथाधर्मनयायिवा। उगतामीतयः सर्व
 मां ता नाग्यममुवः॥ विशकि कायस्य ल्यस्य विध्वस्तविनलीकृताः शक्तिविलोहनायासः सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ य
 उगता रुमार्ज इस्मिन्निवेद्यतिनाशकः दशकः सर्वधर्मा मां सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ गतिर्या उगतां मां स्ता कृतयनसर्व
 वदः॥ अथाय सर्वसत्त्वा नां सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ यनसर्व उगतां तसे उयिगुननायिना। यालिगं यूतवलि स्यं स
 र्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ गतिर्यः सर्वसत्त्वा नां शमं डीययनाय मां संसा नवरुमाना नां सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ याया
 डा सर्वधर्मा मां मवि संवादकः शुचिः शुचिवाक् शुचिकनः सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ यस्मिन्नागमदावीनसमुद्राः

३४

सर्वसमादः सिद्धार्थः सिद्धसमा नः सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ यस्मिन्नागवसुमनीसुवलयं यकं चिता॥ सर्वसत्त्वाः यम
 दिनाः सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ षड्विंशका नयचलिनायस्य वाक्षीवसुधना। मा नाश्च दममा आशीन सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति
 ॥ यश आशीमनये स्य धर्मचक्रवर्तिना। आर्यसत्त्वानिवदनः सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ यनमिथकनाः सर्वजिता धर्मा
 नायि नां वेजीकृताः सर्वगन्ना सर्वः स्वस्तिकनिष्ठाति॥ स्वस्तिवः ऊनूनां वृद्धः स्वस्तिदवाः सशक्रकाः स्वस्तिस्वास्तिरुतानि
 सर्वकालं दिशन्तु वः॥ वृद्धः यूष्मा नूरावेन देवता नाम ननवा। याया र्थः समरिथनः सर्वो दूष्मा दूय समुद्रो नां॥ स्वस्तिवादि
 येदराकु स्वस्तिवाक्कु यकु च्छाद। स्वस्तिवाव उगां मार्ग स्वस्ति यत्ना गत वृव॥ स्वस्ति नागो स्वस्तिदिवा स्वस्ति मध्वदिनस्तिना सर्व

गुरुस्त्रिवाण कुमायेवाम्यायमागन् ॥ सर्वस्वा सर्वया ॥ सर्वरुगाश्च कवलाः सर्ववेस्त्रिनिःसक्तु सर्वसक्तुनिनामयाः ॥
 सर्वरुडाभियञ्च कुमाकश्चित्रायायमागमन् ॥ यानिह रुगानि समाग ॥ गानिह रुगानि रुमावथवाननी ॥ कुर्वन्कुमेगी सगन
 म्यजासुदिवाचनानोचवन्नकुधर्मन् ॥ ० ॥ आर्यमहानक्रामहामक्रान् ॥ शत्रुनीसमाफा ॥ ० ॥ आर्यमहासाहस
 यमईनी ॥ आर्यमहामहायूनी ॥ आर्यमहासीनवनी ॥ आर्यमहायुक्तिसना ॥ आर्यमहामक्रान् ॥ सानिनी ॥ ३७
 हाद्वैमन्त्रुवाचनसिमाफेनि ॥ ॥ यधर्माह गुरुयरावाहाह नृवाकथागगाहवदहृवाकेयानिनाधनवंवादी
 महाश्रवणः ॥ ० ॥ ॥ स्मायाइमुः संभन २० ॥ यधर्माह गुरुयरावाहाह नृवाकथागगाहवदहृवाकेयानिनाधनवंवादी
 मास

कर्णमहग्वृद्धवानसुनमकनासिगगसविग सिंरुनासिगगवउमसि ॥ नदिनयकेनक्रामक्रान्नीसंयर्द्धमि
 नि ॥ ॥ लिखितयं काष्मसुयमहानगत्रगलमूलमहाविहान ॥ अलक्षुनामगृहानवांश्चजदवाचननसव
 कशीवजाचार्याविनमानंदसिंहनथउगदयकारुना ॥ ॥ गुरुमहलंरुवमुमर्षदाकात्रममस्या ॥ जाइ
 सीयूषकं हस्त्रागोइसीलिखितंमया ॥ यदिगुहंमसद्धवास्वर्द्धनीयामहवले ॥ ० ॥ गुरु ॥

१३ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३५

० किमकुलः ॥ १ ॥ संवात विविगु कनवनला द्वाका यनन कनं काशित यकनिर म हा म शा न वासिनी म हा नो डा
 तिसयदि योड नीलय क्रनिर वयूष सर्वलंका न विरूधिर वृद्ध शुग्दा म माला धनी सर्वगथा ग वृद्ध कया ल म कूटा र्द्ध क
 शीय तिन न वि व कु तिन रु सि ग का ध र्ग गा न अ द्वा हा स गि कु न च कल कलिर विविध विविगु विक ना व गि य य म
 निर वजल सि सम क द्वा ला कूल सा ध न न च र्मा या वृ ग गज च र्मा नि वा स न ष ड्वा ये ध न्वा ना य ध र्वा ग या ग या ग क
 वजया शा व व धा क वि ग न्धि नं गिल वि द्वा न वं ड य व सु वि डाय व क नी सर्व माल य म द न क नी न न कं का ल स ग ड्वा व

मलिनो॥ गयथा॥ ॐ आः रुः हं गृह २ गृहायय २ जानय २ सर्वमाह गृहाय यनीमाह ह्य नीकोमा नीवे सुवीवाना हो
 ॐ दायनी वायवी वामुषी महाल श्री ऊया विऊया अजिगा अयना जिगा आदि य सामांगान वृद्ध वृह स्याति शुक्र शनिश्च
 न नाह ऊमक रु सर्वग रु सर्वन ऊगय ऊना ऊ सरुगय नयि आव ऊकि न्याय स्माना युन न कन यूत न सर्वो यड वा ध्रुवः ३१
 आ विष्णु महेश्वर न सनत्कु मान गनयति महाका न ॐ उ यम व नून कृ व न अग्नि वायू ना ऊ साधियति ॐ आ शरुता धिय
 निसवल वाहानं आ कर्षय २ रुन २ मथ २ यमथ २ गुं ऊ २ आविष २ आविषय २ व ऊम गुल मधु डम २ डामय २ मर्द २ यम

दय २ धून २ विधून २ जल्य २ जल्यय २ सर्वोथ साधय २ काधनी हं आः रुः नमथ रु ऊरु टय सर्व दृष्टान् हं रुट रुट
 विरु डी हं डी महारी मरे न व नूय ह नू २ कू २ य रु न २ सर्व विद्य विष्णय काना के मानय २ ख २ वाहि २ द न २ वि
 द न २ छिंदे २ य न म नान रिंद य न मंडा धा नय २ सर्व मूडान् रु न २ सं रु न २ ना शय २ सर्व दृष्टाय नु म नु न नान
 टय २ यवान शरु युजिगा रु न २ द्वा सा द्वा लिगा विग रु कूल २ ग रु २ य न विद्या सरु ऊ म क नी रु न २ समु न २ कौं डिः
 डी क न २ कट २ सर्व दवानां ह दय वंध २ वाधय २ लघू २ शीघ्रं म व समानय रुः हं डीः रु ग व ती न ऊ २ मां सिद्धि मु हं हं
 हं रुट रुट रुट साहा ॥ ॥ ॐ नम २ हा ही ही हं हा अः ॥ ॐ नम २ हा हं हं हं हा रु अः ॥ ॐ नम २ हा हं हं हं हा अः ॥ ॐ नम
 २ हा धू धू धू धां अः साहा ॥ अष्ट गकिनी मन ॐ ति ॥ ॐ ॥

१३ नमः श्रीगणेशाय ॥ श्रीमत्प्राणलोकनमः ॥ नानाधातुविनाजिन ॥ नानाद्रुमलगाकीर्णनानायंक्रिभिकुः
 जिने ॥ नानानिर्जनजंकारेनानामृगसमाकृत ॥ नानाकसुमज्जितोः समनादधिवासित ॥ नानाद्वे
 यदुलायन ॥ यद्यदाङ्गीरनिस्त्रलेऽकिन्ननेमथुगोङ्गीरमरुवातेनसंकुले ॥ सिद्धविद्याधनगलेगन्धर्वेश्वनि
 नादिनेऽमृनिहिवीरनालोश्चसुगन्धसुनिस्त्रितो ॥ वाधिसुखगलेश्चान्योङ्गमरुमीश्वनेनयिआयनानादिरिः
 दद्येविद्यानाजसहस्रगः ॥ कोधेनाजगलेश्चान्योः रुयगीवादिहिवीरः ॥ सर्वसत्त्वहिनाद्युक्ताएगवात्रवलाकिः
 नः ॥ विजहानननः ॥ श्रीमान्पद्मगर्हासनस्थितः ॥ मरुगानयसायूकामेश्वरवृययाचिरः ॥ धर्मदिदग्नस्यास

३८

महत्पादवयवदि ॥ तशायविष्णुमागम्यवज्यानिर्महावलः ॥ यलमकृययायकः ॥ ययुष्मावलाकिर्गानकृजानग
 सिंहाग्रिगजश्चाद्याभूसंकट ॥ सादक्षमीमूनसत्वाः मग्रासंसात्रसागनावद्धाः ॥ संसानिकेः ॥ यालोनागद्वयगमामयेः
 ॥ मृशकथननसत्वास्तुभकुहिमहामून ॥ उवमृकजगत्रायः ॥ सश्रीमानलाकिर्गः ॥ उवावमधूनावालीवज्यानिः ॥ यः
 वाधिनीः ॥ गृध्रगुहकनाऊड ॥ गुमिगारुसुगयिनः ॥ यनिधानवलायनाममाहेलोकमागनेधमहाकनूतथायगा
 जगद्द्वन्द्वेष्टादृगा ॥ उदिगात्यसंकाशायुहद्वदनयरा ॥ रास्यकिष्माकाजासुदवासूनमान्वा ॥ कम्पयनीज
 यालाकाङ्गीनयनयक्रनाक्रसान् ॥ नीलात्यलकनीदवीमारेलमारेलनिगिद्वन् ॥ जगत्सनक्रुधार्थय ॥ अहमत्यादिगाऊ

नेः॥ का का न श मु सं या न ना नारु य समा कल ॥ स न न द व ना मा नि स खाल क्राम्य हं स दा गा न यि श्या म्य हं स खाना नारु
 य महा लु वा न ॥ न न ना न नि मां ला क गाय त्रि मु नि र्यं ग वाः कृ ता ऊ र्लि यून ना रु खान गः सा द न सा ध्या सा ना कल नी श्र न
 नी कृ स्म ॥ द व व न म व वी ना ना मा स्म श न क वृ हि यत्य ना की र्ति ग ऊ नेः ॥ द श रू मी श्र ने ना थ वा धि स खे मे ह द्वि केः स
 र्व या य रु नं यू न्मां को लि व द नं ॥ ध न धा ये क नं व व आ ना ग्यं य सि व द न आ यू ना ना ग्य जन नं सर्व स ख स र्वा व
 हं ॥ ल श्री श्री स्य य कं वे व सर्व स ख वि व द नं ॥ मे श्री मा लं वा स खानां ग की र्ति य म हा मु ना ॥ उ व मू क र ग वा च्य रु स न व
 ला कि न ॥ श व ला कृ दि शः सर्वा मे श्या म् ल व या द श ॥ द कि र्ति क ल म्द स्य यू न्मा ल कृ ष म लि र्ति गं म वा व म हा या रुः

३२

सा धू सा धू म हा ग य ॥ ना मा न्शु धू म हा रा ग म र्व स खे क व ल ला या नि सं की र्त्य म नू जाः स म्पा कृ स्म द न श्र नाः ॥ सर्व श्रा
 धि वि नि मू क्ताः सर्व श्र य शु भ वि ना ॥ अ काल मृ त्यु नि दं ग्वा श्रु ता या कि स र्वा व र्गी ॥ ना च हं स य व क्रामि द व सं धाः
 गृ ष्मा थ मा अ नू मा द ध म ग द्वा रु वि श्रा धं र्नि वृ ताः ॥ उं ला च नं सै ला च न ना न ना आ रु व स र्व स खान् कं यि नि स र्व स
 खो ला नि सि स रु म रु ज स रु म न ग ॥ उं न मा रु ग व र्गी अ व ला क य २ मां सर्व स खानां श्र हं ह द स हा ॥ ॥ उं ना न रु
 न रु ना न स हा ॥ उं सि द्ध सु सि द्ध शु द्ध वि शु द्ध स ग ना क र्ज मे श्री हृ द य नि र्म ल ॥ म ग्ना म नू यि म हा या रु य व न व न वि
 रु धि न ॥ उं अ य ना जि ना म हा ना डी वि श्व नू यी म हा व ला ॥ उं सः श्रीः न य था ॥ उं क ल्या न नी म हा न आ ला क धा श्री म हा य

साः सन श्रुती विष्णु ला क्री यस्तु वृद्धि वद्धनी धृति दायि दसा हा ॥ ३ ॥ का ना काम नृयि नी सर्व सख हित यु का संश्रमा
 लान नी ऊ या यस्तु या न मिता द वी ॥ आर्ये ना ना मना नमा ॥ दू दहिः शं वि नी यू क्ति वि शा ना स्ती यियं व दा ॥ च द्रो न ना म हा
 लो नी ॥ अ जि ना यी ग वा स सा ॥ महा मा या महा श्व ना म हा व ल य ना क मा म हा नो डी म हा व अ दू र्घ स ख नि सुं द नी ॥ य शा ॥
 ना शा न नृ या श्व ॥ वि ऊ या क ल न यु रा ॥ वि यु मा ली व जी व जी व की वा यी यु मा यु था ॥ ऊ रु नी रु रु नी का ली ॥ का ल ना यी नि ४०
 शा व नी ॥ न रु ती मा रु नी शा ना ॥ का ना नी डी वि नी शु रा ॥ व द्म नी व द मा ना व ॥ गु रु ना गु रु वा सि नी ॥ मा रु त्या शा रु नी
 सो मा ॥ जा ग व दा म ना ऊ वा ॥ का या लि नी म हा व ग ॥ सं श्र स हा य ना जि ना ॥ स र्थ वा वा रु क या वृ द्धी न श्र मा यु य द र्श नी

॥ व न दा सा स नी शा स्त्री नृ या म न वि रु मा ॥ ग व नी या गि ना सि द्वा र अ ली वा म ना वृ वा ॥ ध न्या य न्या म हा रा ग स
 रु मा यि य द र्श ना ॥ क ना क ना सि नी री मा उ ग्रा उ ग्रा म हा ग या ॥ ऊ ग दे क हि ना यु का ॥ श न श्र रु कि व ल ला ॥ वा गी
 श्व नी सि वा श्र श्र ॥ नि र्या सर्व गु मा नृ गा ॥ सर्व र्थ सा ध नी रु डा ग्रा यी धा गी ध न ऊ या ॥ अ रु या लो ग मी य न्या शी म ला
 के श्व ना ल जा ॥ ना ना ना म गु लान ना स वा सा य नी यू न नी ॥ ॥ ३ ॥ ना न कृ या व लं व न मे शा त्म के श्व व नी य सा हा
 ना मा श्र ल न श्र न के श्व र ली लि नं हि न का म या ॥ न रु स्यं स म रु नं गु र्गु द वा ना म पि दू ल र ॥ सो रा ग्य क न र्धं सर्व कि
 लि ष ना श नं ॥ सर्व वा धि य श्र म नं ॥ सर्व स ख स ख वा व रु णिः का लं यः य ॥ १० ॥ द्दी मा न ॥ शु विः स्ना न सा मा हि नः ॥ १॥ श्रि

नलेव कालेन नाश्च जियमवायुयान्॥ इक्षितस्मात्सुखीनिर्द्युदनिःश्वनवानरुवता उगारुवन्महायाङ्ग
 मधावीनागसंशयः वधनात्मनो नवद्वारवावहानजयारुवता॥ शरुवामिश्रतां यान्तिः शुभिनश्च यिदं ध्विनः संग
 मसंकटदुर्जनानां रुयसमुद्रितः॥ स्मृतेन वावनामानि सुवेरुयं मया हतिः॥ नाकालमृत्तं नात्र क्रियायुयावित्यलं
 शयः॥ मानुषासदलं जलं गच्छेत्कस्मिन् महात्मनः॥ यत्पि दं यागनूथाय मानवः कीरुयिष्यति सदीर्घकालमायु
 यान्ति॥ जियावलरुगननः॥ दवानागसुथायकाः गन्धर्वाः कटयूगनाः॥ यीशानाकृसा रुनामारुनो नोडनजसा
 ॥ अकिन्था स्मृताः युगास्तथा मादामहायज्ञानथा॥ श्रुयायस्मानकाः श्वेव कृत्वा काष्ठादकादयः॥ वताञ्जि

४१

चकाः॥ यश्चायवाथे दृष्टवगसः॥ श्रुयामयिनलघनि किंयूनरुस्यविग्रहः॥ दृष्टसत्त्वानवाधं नश्चाधयानाकुमन्निव
 दवास्तनायिसंशममनूरुवन्निमहर्द्धिकां शोभे श्वयगुलेयकः॥ युगयोर्गेश्विवर्द्धनः॥ जानिस्मानरुवदीमान् क
 लीत्रः॥ यियदं नः॥ योगिषानमहावाग्मी सर्वं श्रुविज्ञानदः॥ कल्याणमिश्रसं सवीवाधिविरुविरुषिनीः॥ सदा
 विनदितावृद्धेयगुयगोययज्ञनं॥ ॐ ॥ आर्यगानारुद्रानिकायाः॥ नामाश्चारुनसगकंद्वरायिनं
 समाक॥ ॥ यधर्माद्यादि ५ ॥ ॥ २३ नमानलुगयाय॥ नमा आर्यावलाकिने श्वनाय॥ वाधिस
 त्वाय महास्वाय महाकान्तिकाय॥ नयथा॥ ॐ मृड २ समृड् दनि विदुदनि निमन मङ्गन समङ्गन सर्वरय

भाद्रनि॥ नाऊरय सो नरय म नरय अगिरय गुरुय अरिरय उदकरय य नव करय॥ स नामध्वगता
 वा। सो नमध्वगता वा। सिंह मध्वगता वा। वाद्य मध्वगता वा। सूर्य मध्वगता वा। ऊरु मध्वगता वा। चंद्र मध्वगता वा। क
 र्ण सूर्य मध्वगता वा। नाऊ मध्वगता वा। रुक्मि मध्वगता वा। समुद्र मध्वगता वा। कालया मध्वगता वा। निल मध्वगता
 वा। काष्ठ मध्वगता वा। न नमध्वगता वा॥ सर्वेद वाष्प मूत्रेण॥ न क्रूर मां म सर्व सत्वा ना ये आय ना ना ग्यथा मु॥ ४२
 आया वेला किं न ह न रु निर वि ह न सर्वेय धिति सि का नां व सिद्धि विजय नि॥ उ न मो सा हा॥ आय अरुय
 क नी नाम ध्व न नी समा फ॥ ॐ ॥ य ध मा हा दि ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य मुरत श्री महाविहार DH 38

